दैनिक-आयोजन

इकाई- 1

मोड्यूल -1

पाठ - बादल दानी (चित्रवाचन)

अधिगम उपलब्धियाँ - चित्रवाचन करके आशय का मौखिक प्रस्तुतीकरण करता है।

आशय/धारणाएँ - पानी जीवन का आधार है।

मूल्य मनोभाव - पानी का महत्व समझना।

समय - तीन कालांश

सामग्री - चित्र, चार्ट

प्रक्रिया	आकलन
ज्ञानार्जन एक निरंतर प्रक्रिया है। पूर्वज्ञान के साथ आगे की पढाई का संबंध जोड़ने के लिए अध्यापिका एक प्रक्रिया खेल के ज़रिए पहले दिन का कक्षा शुरू किया। कक्षा के बच्चों की संख्या के अनुसार उन्हें पाँच-छः दल बनाने के लिए अध्यापिका ने परिवार, रंग, जानवर, सब्जी, फलों आदि के आशयों को लेकर नुस्खें बनाती है। जैसे- परिवार से माता-पिता रंग से सफेद-लाल जानवर से खरगोश-लोमड़ी सब्जी से टमाटर, प्याज़ फलो से केला- सेब अध्यापक ने पर्याप्त संख्या के नुस्खे को लेकर एक डिब्बे में भरे, बच्चों को गोलदायरे में खड़ा करके क्रम से हस्तांरण करने को कहा। अध्यापिका पीछे मुड़कर खेल के बीच में सीटी बजाते समय डिब्बा किसके हाथ में है वह नुस्खा निकालकर ज़ोर से पढ़ते हैं और गोल दायरे से बाहर हो जाते हैं। आखिरी बच्चें तक खेल	

प्रक्रिया	आकलन
ज़ारी रखे। अध्यापिका ने बच्चों को नुस्खें के शब्दों से परिचय पाने का अवसर दिया। प्रत्येक आशय के अनुसार बच्चों को इकट्ठे होने का निर्देश भी दिया। फिर अध्यापिका प्रत्येक दल को एक-एक कागज़ दिए और दल के नाम लिखने का निर्देश दिया। इसके आधार पर अध्यापिका ने एक आकलन प्रक्रिया भी ज़ारी रखा। चित्रवाचन के लिए अनौपचारिक संवाद करता है। आपकी गर्मियों की छुट्टी कैसी रही? आपके यहाँ पानी की कमी थी क्या? गर्मी अगर ज्यादा बढेगी तो क्या होगा? ICT की सहायता से चित्र-प्रदर्शन करता है। अध्यापक पन्ना संख्या 2 का चित्र दिखाता है। और वाचन करने का निर्देश देता है। चित्र देखने के लिए कुछ समय देना है। अध्यापक प्रश्न पूछता है- चित्र में बच्चे क्या-क्या कर रहे है? बादल का रंग क्या है? यहाँ पेड़ सूखा हुआ है। क्यों ? छात्र जो-जो कहते हैं (प्रतिक्रिया)अध्यापक उसे सूचीबद्ध करता जाता है। फिर अध्यापक प्रश्न पूछता है- चित्र में क्या-क्या देख सकते हैं? जानवर किसकी प्रतीक्षा में हैं? पेड़ कैसा था? सूखे पेड़ को देखकर क्या लग रहा है? क्या कभी आपने भी वर्षा की प्रतीक्षा की है?	खूद पढ़ता है और आशय समझकर दल चुन लेता है। - A खूद पढ़ता है और आशय समझकर दल चुनने में मदद लेता है। - B पढ़ने और दल चुनने में मदद लेता है। - C ये चित्रवाचन में बहुत आगे हैं। (नाम लिखें)

प्रक्रिया	आकलन
आपका कुछ ऐसा अनुभव है तो उस अनुभव को वैयक्तिक रूप से लिखे। अध्यापक लिखे हुए अनुभव को आपस में देने को कहते हैं और उससे संबंधित आशय को समझने को कहते हैं? त्रुटियों को सुधारने को कहते हैं। अध्यापक लिखे अनुभवों को संशोधित कर दलों में प्रस्तुत करने को कहता है। फिर दलों में चर्चा कर चित्र से संबंधित विवरण लिखने को कहता है। दलों में प्रस्तुति की जाती है। एक अच्छी प्रस्तुति का चयन कर उसे सबको दर्शाते हैं। उसमें वांछित त्रुटियों को सुधारते हैं। लिखे अनुभव को प्यारी पुस्तक में लिखने को कहता है। चित्र में कौन-कौन से जानवर हैं? क्या वे बादल से कुछ माँग रहे हैं? (बच्चों की प्रतिक्रियाएँ) ऊपर से जो बरसता है वह सिर्फ पान नहीं है, वह जीवन है, ऐसा क्यों कहा गया है? (चर्चा) चार्ट दिखाते हैं- **जल जीवन का आधार है।** चित्र का इन पंक्तियों से क्या संबंध है?	वैयक्तिक रूप से अच्छी तरह लिखने वाले छात्र- कुछ छात्र पीछे हैं- (नाम लिखें) आपसी आकलन–

दैनिक-आयोजन

इकाई- 1

मोड्यूल -1

पाठ - बादल दानी (कविता)

अधिगम उपलब्धियाँ - बालगीत का ताल-लय से आलापन करता है।

आशय समझकर दृश्याभास करता है।

आशय/धारणाएँ - प्रकृति के विभिन्न पहलुओं का चित्रण बालगीतों में है।

मूल्य मनोभाव - प्रकृति प्रेम की भावना बढाना।

समय - चार कालांश, सामग्री - चित्र, चार्ट, जीव-जंतुओं और पेड़ का कटाउट

प्रक्रिया	आकलन
अध्यापक अनौपचारिक संवाद से विषय की ओर जाता है। आप सबको वर्षा पसंद है न? पसंद और नापसंद के आधार पर छात्रों को सूचीबद्ध करता है। जिन छात्रों को पसंद नहीं है उनसे उनका कारण पूछता है। जिन लोगों को पसंद है उनसे उनका कारण पूछता है। अध्यापक प्रश्न पूछता है- वर्षा ऋतु में आकाश में क्या-क्या परिवर्तन आते हैं? छात्र उचित जवाब देते हैं। बादल जवाब मिलने पर अध्यापक वर्षा की एक पूर्व कविता आई.सी.टी. की सहायता से सुनाते हैं। अध्यापक कहते हैं हम एक इसी प्रकार की कविता पढे। अध्यापक कविता पाठ का वैयक्तिक वाचन करने को कहता है। उसे एक ताल देने को कहता है। वैयक्तिक रूप से एक या दो प्रस्तुति करने को कहता है। उसके बाद दलों में बैठकर अपने एक नए ताल-लय से कविता को प्रस्तुत करने को कहता हैं? दलों की प्रस्तुति की जाती है। अध्यापक छोटे-छोटे प्रश्नों के द्वारा छात्रों की आशय-स्पष्टता को	अध्यापक आकलन उत्तर देने में ये छात्र पीछे हैं- (छात्रों के नाम)

प्रक्रिया	आकलन
जानने के लिए प्रश्न पूछते हैं? बिज़ली कैसे चमकती है? वर्षा के समय आकाश कैसा होता है? पानी कैसे बरसता है? वर्षा न होती तो क्या होता? धरती कैसे धन्य हो जाती है? वर्षा के आने पर धरती में क्या-क्या बदलाव आ जाते हैं? अध्यापक प्रश्नों के उत्तर (जो-जो छात्र बताते हैं) श्यामपट पर लिखते जाते हैं।	अध्यापक आकलन
इन बिंदुओं के आधार पर दल में छात्रों को कविता की आस्वादन टिप्पणी तैयार करने और प्रस्तुत करने को कहा जाता है। दल-कार्य हस्तांरतरण करके संशोधन करने का अवसर देते हैं। अंत में दल कार्यों को इकट्ठा करके मीठा पन्ना नाम देकर तैयार करते हैं।	आपसी आकलन और अध्यापक आकलन
इन आस्वादन टिप्पणियों के आधार पर इसक कविता का दृश्याभास करने को कहते हैं। अच्छा तो, कविता आलाप कौन-कौन करेगा? बादल कौन बनेगा? बंदर, मेंढक, बगुला, फूल आदि कौन-कौन होंगे? प्रत्येक दल को दृश्याभास की तैयारी करने का मौका दिया जाता है। पात्रों के चयन, स्थान, पात्रों के हाव-भाव,क्रिया-कलाप आदि के निर्धारण में अध्यापिका प्रत्येक दल की मदद करती है। इसके लिए अध्यापिका प्रश्न पूछती है- पौधा कहाँ होगा?/मेंढक किस तरफ से आएगा? / उसकी चैल कैसी होगी? अध्यापक के उचित आदेश-निर्देश के साथ हर एक दल कविता का दृश्याभास करता है। पन्ना 12 स्व-आकलन कार्य़ भी करते हैं।	स्व-आकलन, अध्यापक आकलन अच्छी तरह से प्रस्तुत करने वाले दल- (नाम), औसत रूप से प्रस्तुत करने वाले दल (नाम), सुधार की आवश्यकता रखने वाले दल (नाम)

दैनिक-आयोजन

इकाई- 1 (मोड्यूल -1)

पाठ - बादल दानी

अधिगम उपलब्धियाँ - तुकांत शब्दावली पंक्तियों को चुनकर लिखते हैं।

कवितांश के साथ आशय-ताल तथा तुकांत शब्द युक्त पंक्तियाँ जोड़ते हैं।

आशय/धारणाएँ - तुकांत तथा आलंकारिक शब्द कविता की सौंदर्य बढ़ाते हैं और पंक्तियों को जोड़ सकता है।

मूल्य मनोभाव - साहित्यिक भावना का विकास

समय - तीन कालांश सामग्री - चित्र, चार्ट

प्रक्रिया	आकलन
अनौपचारिक संवाद के ज़रिए अध्यापक पूछता है- पिछली कक्षा का दृश्याभास कैसा था? छात्रों को उचित प्रतिक्रिया देने का अवसर देता हैं। अध्यापिका पुस्तक लेकर बादल दानी कविता का मौन-वाचन करने का निर्देश देते हैं। गर दल के एक-एक छात्र को ताल-लय के साथ आलापन करने का अवसर देते हैं। पन्ना 13 लेकर पंक्तियाँ लिखने का निर्देश देते हैं। पूछें- चम-चम ..... रानी उठी..... सुहानी रेखांकित शब्दों में क्या समानता है? 'रानी', 'सुहानी' शब्दों में नी ध्वनि की आवृत्ति है। जवाब मिलने पर पूछे - इसप्रकार समान ध्वनि वाले शब्द कविता में और भी है क्या? ऐसे तुक में समाप्त होनेवाली पंक्तियाँ चुने। छात्रों से चुनकर लिखी गयी पंक्तियों में तुकांत शब्द के नीचे रेखांकित करने को कहते हैं। पूछे इन शब्दों के कारण कविता में क्या परिवर्तन आया?	छात्रों की प्रतिक्रिया देने की क्षमता के बार में परखता है। ये छात्र कक्षा गतिविधि में साथ नहीं चल रहे हैं- (नाम) ताल-लय के आधार पर आकलन ताल-तुक पालन उचित एवं आकर्षकता पर आधारित आकालन

प्रक्रिया	आकलन
ज़वाब मिलने पर अध्यापिका कहती हैं कि तुकांत शब्द कविता को सुंदर बनाते हैं। पन्ना 14 की पंक्तियाँ पढ़ें। बारिश का मौसम है आया हम बच्चों के मन को भाया इन पंक्तियों के तुकांत शब्द पहचाने। उनके नीचे रेखा खींचे। अध्यापिका पूछती है ये पंक्तियाँ किसके बारे में है। बारिश के समय क्या-क्या दिखाई देते हैं? फिर अध्यापिका कविता में आनेवाले शब्दों के आधार पर बोर्ड पर पदसूर्य का विकास करते हैं। बादल दानी - हवा खेत नदी पानी पेड-पौधे मोर मेंढक ताल-तलैया	
चर्चा करके वैयक्तिक रूप से चार पंक्तियाँ लिखने का अवसर देती है। छात्रों का प्रस्तुतिकरण, फिर दलों में चर्चा करके तैयार करने को कहते हैं। छात्र दलों में प्रस्तुत करते हैं। फिर उचित संशोधन करके उस प्रस्तुति को मीठे पन्ने में लिखकर लाने को कहते हैं।	स्व-आकलन और आपसी आकलन उचित ताल लया के साथ, तुकांत शब्दों के साथ, हाव-भाव के आधार पर आकलन ये छात्र पीछे हैं (नाम)